पाठ 22. भविष्य का भय

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को बालश्रम के प्रति जागरूक करना है। इस पाठ द्वारा बच्चे जान पाएँगे कि बालश्रम करना-कराना एक अपराध है। इसके द्वारा बच्चों से न केवल उनके अधिकार और बचपन छीना जा रहा है बल्कि देश और समाज से एक उज्ज्वल भविष्य भी।

पाठ का सारांश

तुलतुल को उसकी अध्यापिका ने बताया कि यह वर्ष अंतर्राष्ट्रीय बालवर्ष के रूप में मनाया जा रहा है और हमें छोटे-छोटे बच्चों की देखभाल करनी होगी तथा उन्हें पढ़ाना-लिखाना होगा। तुलतुल भी अपने घर में काम करने वाली की बेटी टुनी को स्कूल भेजने की ज़िद पकड़ लेती है। टुनी की माँ इस बात पर बिगड़ जाती है तथा काम छोड़कर चली जाती है। तुलतुल के परिवारवालों ने भी तुलतुल की बात पर ध्यान नहीं दिया। तुलतुल समझ गई थी कि छोटे बच्चों से काम कराना पाप है। सभी बच्चों को स्कूल जाने का तथा शिक्षा प्राप्त करने का पूरा अधिकार है। परंतु तुलतुल के परिवारवालों की तरह ही हम बड़े होकर यह सब भूल जाते हैं और अपने स्वार्थ के लिए दूसरों का शोषण करने से भी नहीं चूकते।

अध्यापन संकेत

पाठ को एक बार स्वयं पढ़ें तथा उसके बाद बच्चों से मौन वाचन करवाएँ। बच्चों के द्वारा पाठ समाप्त करने पर उन्हें अपने विचार कक्षा में सुनाने को कहें। कठिन शब्दों के अर्थ तथा आवश्यक पंक्तियों की व्याख्या करें। 'शिक्षा का अधिकार' के बारे में बच्चों को बताएँ। बच्चों से पूछें–

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- क्या उन्होंने भी कभी अपनी बात मनवाने के लिए ज़िद की है?
- यदि उनके घर कोई काम करने आता है तो उनके साथ वे कैसा व्यवहार करते हैं?
- टुनी का तरीका सही था या गलत – इस बारे में बच्चों की राय जानें। उन्हें अपनी बात कहने का मौका दें।
- बच्चों को बताएँ कि चौदह साल से कम आयु के बच्चों से काम कराना कानूनन अपराध है।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।